बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 14 ● नई दिल्ली ● सोमवार 20 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली में महिलाओं के बाद अब इन्हें भी मिलेगी मुफ्त बस यात्रा की सुविधा, परिवहन विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव

नई दिल्ली। दिल्ली के ट्रांसजेंडर निवासियों को जल्द ही सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ मिलेगा। परिवहन विभाग एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है जिसे आगामी कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के निवासी ट्रांसजेंडरों को मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठाने के लिए सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र वाला प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सम्मान और समानता के लिए एक मजबूत प्रयास का संकेत देती है। अधिकारी ने कहा कि दिल्ली के निवासी ट्रांसजेंडर व्यक्ति शहर भर में चलने वाली सभी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा के पात्र होंगे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, वर्तमान में लगभग 1,200 ट्रांसजेंडर मतदाता डेटाबेस में सूचीबद्ध हैं।

ऑपरेशन सिंदूर-रूस से तेल खरीद के ट्रंप के दावों पर मौनी बाबा बन जाते हैं..., कांग्रेस का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से हालिया समय में भारत के संबंध में किए गए दावों को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। पार्टी की तरफ से कहा गया कि हर बार जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह दावा करते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया या भारत रूस से तेल आयात घटा देगा, तब प्रधानमंत्री अचानक %मौनी बाबा% बन जाते हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उनके अच्छे दोस्त ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से तेल आयात कम करेगा। उन्होंने कहा, लेकिन जब ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोका या अब जब वे कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल आयात घटाएगा, तो वह अच्छे दोस्त मौनी बाबा बन जाते हैं। रमेश ने एक्स पर किए अपने पोस्ट में आगे लिखा कि अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 54.4 अरब डॉलर तक बढ़ गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 49.6 अरब डॉलर था। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर दावा किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और वह तनाव घटा रहा है और पीछे हट रहा है। यह दूसरी बार है जब ट्रंप ने ऐसा बयान दिया है। इससे पहले भारत ने गुरुवार को कहा था कि वह ऊर्जा आपूर्ति को विविध और विस्तृत बना रहा है, ताकि बाजार की स्थिति के अनुसार उपयुक्त स्रोत सुनिश्चित किए जा सकें।

ट्रंप के बयान के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित है और देश अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है। कांग्रेस ने गुरुवार को ही आरोप लगाया था कि मोदी ट्रंप से डरे हुए हैं और उन्होंने महत्वपूर्ण निर्णय अमेरिका को सौंप दिए हैं।

पार्टी ने यह भी कहा था कि मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह विफल हो चुकी है और केंद्र को विपक्षी नेताओं को विश्वास में लेना चाहिए। इस बीच ट्रंप प्रशासन लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदकर पुतिन को युद्ध में वित्तीय मदद कर रहा है। दोनों देशों के रिश्तों में हाल ही में तनाव तब बढ़ गया जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया और रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी लगाया। भारत ने अमेरिका की इस कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यवहारिक बताया है।

ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट स्थित सांसदों के फ्लैट्स में आग, तीन लोग बचाए गए, दमकल की गाड़ियां मौके पर

नई दिल्ली। नई दिल्ली इलाके के विशंभर दास रोड स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर आग लग गई, यहां पर सांसदों के आवास हैं। आग पार्किंग में रखे कबाड़ में लगी जो सातवीं आठवीं मंजिल तक पहुंच गई, फिलहाल तीन लोगों के आग में झुलसने का पता चला है और तीन लोगों को ही बचाने की बात कही जा रही है। बचाव दल और दमकल की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में सीपीडब्ल्यूडी के पार्किंग एरिया में कूड़ा पड़ा था, उसमें ही पहले आग लगी थी। इसके बाद आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि ऊपर की 6 मंजिलों पर स्थित फ्लैट्स को भी अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि शुरुआती 3 मंजिल में सर्वेंट क्वार्टर हैं उसके बाद एमपी रहते हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां करीब आधा घंटा देरी से आई थीं। फ्लैट्स में आग बुझाने का जो सिस्टम लगा हुआ है वह बिल्कुल काम नहीं कर रहा था, उसमें बिल्कुल भी पानी नहीं था। फिलहाल आग बुझाने का काम जारी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एडीओ भूपेंद्र ने कहा, दोपहर 1.22 बजे हमें पंडित पंत मार्ग के पास स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में आग लगने की सूचना मिली। चूंकि यह एक ऊंची इमारत है इसलिए हमने तुरंत टीटीएल सहित 14 गाड़ियां भेजीं। अभी तक ज्यादातर नुकसान स्टिल्ट फ्लोर पर हुआ है और ऊपरी मंजिलें बाहरी रूप से क्षतिग्रस्त हैं। आग पर काबू पा लिया गया है लेकिन हमारा काम अभी भी जारी है, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

स्थानीय निवासी ने बयां की पीड़ा

ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट के निवासी विनोद ने कहा मेरा कुत्ता अंदर फंस गया था। मेरी बेटी की शादी कुछ ही महीनों में होने वाली है और जो भी गहने, सोना और कपड़े हमने खरीदे थे, वे भी अंदर हैं।

मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा भी झुलस गया। वे अस्पताल में हैं। हमें नहीं पता कि आग कैसे लगी। मेरा घर तीसरी मंजिल पर है।

हवाईअड्डों पर अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के प्रति संवेदनशील बनाने की जरूरत, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर काम करने वाली क्षेत्रीय एजेंसियों के लिए यह बेहद जरूरी है कि वे अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों के बारे में पहले से ही संवेदनशील बनाएं, खासकर तब जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय यात्री को हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने जैसा गंभीर कदम उठाने जा रहे हों। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उन्होंने प्रवासी भारतीय (एनआरआई) रॉकी अब्राहम की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। अब्राहम पिछले बीस वर्षों से इटली में बसे भारतीय नागरिक हैं। जनवरी 2025 में अब्राहम को दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उस पर आरोप था कि वह अपने सामान में हिरण की सींग लेकर जा रहे थे, जो कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत प्रतिबंधित है।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बैग से सींग बरामद होने के बाद उसके खिलाफ इस अधिनियम की धारा 39, 49 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी और उसे गिरफ्तार कर लिया था अब्राहम करीब दो हफ्ते तक हिरासत में रहे। इसके बाद उन्हें कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिली, जिसमें भारत छोड़ने पर प्रतिबंध भी शामिल था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि डीएनए जांच के अनुसार जो वस्तु उसके पास मिली, वह वास्तव में रेंडियर (हिरण परिवार का सदस्य) की सींग थी, जो भारत के वन या वन्यजीव कानूनों का उल्लंघन नहीं करती। शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह कोर्ट महसूस करता है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से जुड़े मामलों को देखने वाली एजेंसियों को अपने अधिकारियों को मौजूदा कानूनों की सही जानकारी देना जरूरी है, ताकि वे गिरफ्तारी जैसे सख्त कदम उठाने से पहले सोच-समझकर और कानूनी सलाह लेकर काम करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे गलत फैसलों से देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचता है और संबंधित अधिकारियों का व्यवहार मानवाधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में आ सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने अब्राहम की गिरफ्तारी, प्राथमिकी और उनके खिलाफ सभी कार्यवाहियों को पूरी तरह से अवैध करार देते हुए उन्हें रद्द कर दिया। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने अब्राहम की गिरफ्तारी, प्राथमिकी और उनके खिलाफ सभी कार्यवाहियों को पूरी तरह से अवैध करार देते हुए उन्हें रद्द कर दिया।

इस बार सिंगल विंडो से मिलेगी छठ पूजा की अनुमति, दिल्ली के हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा मॉडल घाट

पूर्वी दिल्ली। इस बार यमुनापार में छठ धूमधाम से मनेगी। प्रशासन ने इसको लेकर कमर कस ली है। हर विधानसभा क्षेत्र में एक मॉडल छठ घाट बनाएं जा रहे हैं। यहां व्रतियों का स्वागत अलग अंदाज में होगा। फूलों से सजे आकर्षित गेट से व्रती घाट पर प्रवेश करेंगे। यादों को मोबाइल में कैद करने के लिए सेल्फी कॉर्नर भी बनेगा। घाट छठी मैया के गीतों से गूजेंगे। पूर्वांचल की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी। इस बार सिंगल विंडो से समितियां छठ पूजा की अनुमति ले सकती हैं। उत्तर पूर्वी जिले के डीएम अजय कुमार ने छठ पूजा को लेकर बैठक की। इसमें दिल्ली पुलिस, यातायात पुलिस, प्रशासन, निगम, बीएसईएस समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में चर्चा हुई है कि छठ पर वाहनों की वजह से जाम बहुत लगता है। बहुत से लोग समय पर छठ स्थल पर पहुंच नहीं पाते हैं। छठ घाटों पर

अलग से पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए। सड़कों पर यातायात पुलिस की मौजूदगी होनी चाहिए। डीएम ने कहा डीडीए पार्किंग के लिए जगह उपलब्ध करवाए। डीएम अजय कुमार ने कहा कि छठ आस्था का पर्व है। इसमें सबसे अधिक स्वच्छता का ख्याल रखा जाता है। प्रशासन अस्थायी घाट बनाने के साथ ही यमुना किनारे पूजा की व्यवस्था करेगा। हर विधानसभा क्षेत्र में माडल छठ घाट भी होगा। यहां सांस्कृतिक अकादमी के कलाकार छठी मैया के गीत सुनाएंगे। निगम को घाटों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करनी है। कहीं भी गंदगी नहीं रहनी चाहिए। बीएसईएस लाइट की व्यवस्था करनी होगी। दिल्ली जल बोर्ड को यह सुनिश्चित करना होगा कि कहीं भी अस्थायी घाट पर पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। कानून व्यवस्था थाना पुलिस को संभालनी है। प्रशासन के अधिकारी हर घाट पर मौजूद रहेंगे। पूर्वी जिले के डीएम अमोल श्रीवास्तव ने कहा कि यमुना यादर क्षेत्र को समतल किया है। यमुना में लकड़ी का जाल लगाया जाएगा, ताकि कोई व्रति डूबे नहीं। शौचालय व पीने के पानी की व्यवस्था भी करवाई जाएगी। हर विधानसभा में एक मॉडल घाट बनाने के लिए जगह चिह्नित कर ली गई है। शाहदरा डीएम एसएस परिहार ने कहा कि पिछले वर्ष जिन स्थानों पर अस्थायी घाट बनाएं गए थे, वहीं पर बनाएं जाएंगे। यमुना के साथ ही कोंडली नहर में भी छठ पूजा होगी। पांच वर्षों के बाद भी नदी व नहर के किनारों पर पूजा की अनुमति मिली है। वसुंधरा एन्क्लेव में पार्षद मुनेष डेढ़ व्रतियों के लिए नहर में सीढ़ियां बनवा रही हैं। ताकि लोग आराम से पानी में खड़े होकर छठी मैया की अराधना कर सकें।

सबूतों पर नहीं बयानों पर टिका है मामला, दिल्ली दंगा केस में उमर खालिद के वकील का दावा

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट में दिल्ली दंगों के मामले में आरोपी उमर खालिद के वकील ने दलील दी कि यह केस पूरी तरह पुलिस बयानों पर आधारित है. इसमें कोई ठोस या फिजिकल सबूत मौजूद नहीं हैं. यह मामला दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल द्वारा UAPA के तहत दर्ज किया गया था. वकील ने कहा कि केस ऐसा है जिसमें केवल बयानों पर भरोसा किया गया है, कोई अन्य सबूत नहीं है. कड़कड़डूमा कोर्ट में उमर खालिद के वकील ने कहा कि घटना के 11 महीने बाद किसी से बयान लेकर ही केस बनाया गया. उन्होंने कहा कि खालिद के खिलाफ न तो कोई पैसा जुटाने का आरोप है और न ही कोई बरामदगी हुई. कुल 751 एफआईआर में सिर्फ एक एफआईआर में उमर खालिद आरोपी हैं. वकील ने कोर्ट को बताया कि जिन व्हाट्सऐप ग्रुप्स का जिक्र पुलिस ने किया है, उनमें से DPSG ग्रुप में खालिद ने केवल तीन मैसेज भेजे, जबकि स्वच्छ ग्रुप में उन्होंने कोई संदेश नहीं भेजा. वकील ने कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयान महीनों या सालों बाद दर्ज किए गए, जो मामले में संदेह पैदा करते हैं. वकील ने सवाल उठाया कि अगर पुलिस को पहले से साजिश की जानकारी थी, तो बयान इतनी देर से क्यों लिए गए. उन्होंने यह भी पूछा कि जो व्यक्ति चक्का जाम और अन्य गतिविधियों में शामिल था, वह गवाह कैसे बन गया और आरोपी क्यों नहीं बना. कड़कड़डूमा कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 और 29 अक्टूबर की तारीख तय की है. उमर खालिद को दिल्ली दंगा मामले में 13 सितंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया था. वे अब तक पांच साल से जेल में हैं. हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी. हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि खालिद और शरजील इमाम की भूमिका गंभीर है क्योंकि उन्होंने सांप्रदायिक भाषणों के जरिए भीड़ को भड़काया. हाई कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि ट्रायल सामान्य प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ेगा. उमर खालिद अब अपनी जमानत की चुनौती सुप्रीम कोर्ट में दायर कर चुके हैं.

समृद्ध का एहसास कराता है धनतेरस

रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मरण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में

तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्ठ) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कौड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिड़कें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढ़ाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोड़कर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होंने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेंट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं। धन्वंतराये नमः धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली परपर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करें।

सम्पादकीय...

बदहाली पर चुप क्यों?

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। पटेल का कहना है कि दूर रहें, वरना आप 50 टुकड़ों में मिलेंगी। यह टिप्पणी उनके पिछले दावे के ठीक अगले दिन आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप का असर देखने के लिए किसी अनाथालय में जाना चाहिए, जहाँ 15 साल की लड़कियाँ अपने बच्चों के साथ कतार में खड़ी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे। राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरूक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गईं, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए है, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर(आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46% मातृ मृत्यु और 40% नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआइएसई) की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 18 प्रतिशत सरकारी स्कूलों, अर्थात लगभग 27,000 स्कूलों के भवन जर्जर स्थिति में हैं। इनमें से कई स्कूलों की छतें और दीवारें खतरनाक स्थिति में हैं। लखनऊ में प्राथमिक विद्यालय और नसीराबाद में छत का प्लास्टर गिरने से दो बच्चे घायल हो गये। नोएडा और गोरखपुर के इलाकों से भी ऐसी ही घटनाएं सामने आ चुकी हैं। एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन (एएसईआर) 2024 की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश के 22 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में कार्यशील शौचालय ही उपलब्ध नहीं है और 35 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं। लगभग 40 प्रतिशत विद्यालयों में तो नियमित स्वच्छता व्यवस्था ही नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गम्भीर है, जहाँ शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में 10-12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। शिक्षा मंत्रालय की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 28 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में पेयजल की सुविधा नहीं है और 40 प्रतिशत स्कूलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। आश्चर्य यह है कि राज्यपाल आनंदी बेन ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों से जुड़े इन मुद्दों का कभी जिक्र तक नहीं किया। बेहतर होता कि जिस तरह राज्यपाल पटेल ने लिव इन रिलेशनशिप से युवतियों को आगाह किया, उसी तरह योगी सरकार को भी आगाह करती तो शायद उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मौजूदा हालत बेहतर हो सकती थी।

बिहार विधानसभा चुनावों के राजनीतिक मुद्दे

मोहन सिंह

बिहार विधानसभा चुनावों के राजनीतिक मुद्देबिहार विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। दो चरणों में कुल 243 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होना है। बिहार में दोनों बड़े गठबंधनों की पिछले 35 वर्षों से सरकार है। बिहार में बीस साल तक, अभी तक सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने का रिकॉर्ड नीतीश कुमार के नाम दर्ज है। लेकिन इस बार बिहार विधानसभा के चुनावों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव यह दिखायी दे रहा है। इस बदलाव के असली नायक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जनसुराज पार्टी है। बिहार के जिन बुनियादी सवालों को मुद्दा बनाकर पिछले तीन वर्षों से वे जमीनी राजनीति कर रहे है। उससे खतरा दोनों गठबंधनों को पैदा हो गया है। उससे भी महत्वपूर्ण बदलाव है यह जिन मुद्दों को महागठबंधन के मुख्य विपक्षी दल होने के नाते राजद को उठाना चाहिए, उन मुद्दों को चुनावों के एन वक्त उठाने और धारदार बनाने में फिलहाल प्रशांत किशोर कामयाब होते दिख रहे हैं। इस हद तक कि राजग के प्रमुख घटक दल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, मंगल पाण्डेय जैसे बड़े नेता चुनाव के समय प्रशांत किशोर के उठाए मुद्दों से मुंह चुराते नजर आ रहे हैं। भाजपा बिहार प्रदेश के बड़े नेताओं को भ्रष्टाचार की कटघरे में खड़ा कर केन्द्रीय नेतृत्व को यह सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि कैलाशपति मिश्र और सुशील मोदी के दिवंगत हो जाने के बाद इन दलबदलू नेताओं पर भरोसा करना भविष्य की राजनीति के लिए नुकसान दायक हो सकता है। यह जरूरी नहीं कि अपने पहले ही चुनाव में प्रशांत किशोर इस विधानसभा चुनावों को फतह कर दें। पर जैसा राममनोहर लोहिया कहा करते थे कि चुनाव सिर्फ जीतने के लिहाज से ही नहीं लड़ा जाता,अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को प्रचारित करने, जनता के बीच उन्हें ले जाने के लिए भी चुनाव लड़ना चाहिए। प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के लिए यह कोई कम बड़ी उपलब्धि नहीं होगी, अगर दो मजबूत गठबंधनों के बीच अपनी एक मजबूत स्थिति दर्ज कराने में कामयाब हो गये। अपने बलत राजनीतिक अभियान से प्रशांत किशोर ने आम लोगों में इतनी जागरूकता तो जरूर पैदा किया है कि पिछले 35 वर्षों से चली आ रही लालू-राबड़ी और नीतीश कुमार की सरकारों के दौर के जिन जरूरी मुद्दों का समाधान नहीं हो पाया है उनके प्रति एक समझ और समाधान करने का भरोसा लोगों में पैदा किया है। यह बात नीतीश कुमार के बारे में एक समय उनके सबसे करीबी रहे प्रशांत किशोर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आज भी इतने वर्षों तक सत्ता में रहे नीतीश कुमार व्यक्तिगत छवि कोई अंगुली नहीं उठा सकता। पर क्या ऐसा ही दावा उनके मंत्रियों और आकंठ भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों के बारे में किया जा सकता है? बिहार की राजनीति को करीब से समझने वाले से पूछा, तो इसका जवाब ना में मिला। यही वह बड़ा मुद्दा है जो नीतीश कुमार कि सन् 2015 के पहले बनी सरकार सुशासन बाबू की छवि को तार-तार कर दे रही है। वे तीन मुद्दे जिन पर कभी नीतीश कुमार लोगों के दिलों पर राज करते थे, यानी तीन सी अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति से परहेज। नीतीश कुमार के मौजूदा कार्यकाल में इन तीनों मुद्दों के साख पर अब बट्टा लगता दिख रहा है। कम से कम नीतीश कुमार इस बार के शासन काल में जस की तस धर दिन्हो चदरिया को गान करने की स्थिति में तो नहीं है। सवाल यह भी है कि आम आदमी के रोजमर्रा के सरोकारों से जुड़े इन मुद्दों को महागठबंधन मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने में कामयाब हुआ? शायद नहीं, वजह यह सरकार के सत्ता विरोधी रुझान को राजनीतिक चुनावी मुद्दे में तब्दील कर अभियान चलाने के बजाय महागठबंधन के घटक दल भी वोटर अधिकार यात्रा पर निकल पड़े। बिहार की राजनीतिक जमीन पर उतरता मुद्दा अब दिखा ही नहीं है। इस दौरान चाहे जितने प्रकार के बम फोड़े जाने का दावा किया जा रहा था, वह चुनाव आते-आते फुस्स हो गया। कोई खास असर छोड़ता नहीं दिखायी दे रहा है। इससे महागठबंधन का नुकसान यह हुआ कि राहुल गांधी की अगुआई में 3 जुलाई से 9 अगस्त, 15 दिनों तक चले वोटर अधिकार यात्रा में चुनावों के ऐन वक्त सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने का कीमती समय हाथ से निकल गया। यही वह समय था जब नीतीश सरकार को घेरा जा सकता था। बिहार की राजनीति की औसत समझ रखने वाला आदमी भी यह जानता है कि किसी भी चुनाव के ठीक दो-तीन महीने का समय खासकर विपक्षी दलों के लिए कितना महत्वपूर्ण होता है। इसके अलावा नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन तक तय नहीं हो पाया कि किसे कहां से चुनाव लड़ने मैदान में उतारा जाएगा। राजग गठबंधन में खींच-तान कम नहीं है।

जब कि नामांकन के दो-तीन ही दिन शेष बचे हैं। फिलहाल राजग और महागठबंधन दोनों अनिर्णय की दुर्दशा से ग्रस्त दिखायी दे रहे हैं। कहा यह जा रहा है महागठबंधन में ज्यादा पेंच कांग्रेस की वजह से फंसा है। कांग्रेस ज्यादा सीटों पर चुनाव मैदान में उतरने की इच्छुक है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से बेहतर भला कौन जानता है कि जितनी सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी, उतनी ही महागठबंधन की जीत की संभावनाएं कमजोर होती जायेंगी। यह पिछले विधानसभा चुनावों में भी साबित हो चुका था और इस बार के चुनाव में भी कांग्रेस की सांगठनिक और राजनीतिक जमीन पर उतना मजबूत नहीं दिखायी दे रहा, जितना कांग्रेस दावा कर रही है। इस राजनीतिक हकीकत को तेजस्वी यादव से बेहतर लालू यादव समझते हैं। एक और आधार जिसे किसी चुनाव में भाजपा आजकल खूब आजमा रही है और पहले कांग्रेस भी आजमाती रही है। वह है चुनाव के अन्तिम समय तय होने वाले डील के जरिये तय होने वाले उम्मीदवार। ऐसे उम्मीदवार पैराशूट से उतारने वाले उम्मीदवार होते हैं। यहीं कोई और होती है चुनावी सिंबल किसी और का होता है। इस डील की कूट भाषा को वे लोग अच्छी तरह से समझते हैं, जिनके पास धन-संसाधनों की कमी नहीं होती है। ऐसे उम्मीदवारों की दलीय वफादारी हमेशा संदिग्ध रहती है। बिहार विधानसभा के चुनावों में इन मुद्दों के अलावा कुछ और महत्वपूर्ण मुद्दे होंगे, जो निर्णायक साबित होंगे। पहला यह कि महिलाओं का रुझान इस बार किस ओर होगा? क्या गैर यादव पिछड़ी जातियों में यह संदेश पहुंच चुका है कि नीतीश कुमार की शारीरिक और मानसिक स्थिति अब वैसी नहीं है कि वे सत्ता संचालन के सारे तंत्र की उचित निगरानी कर सकें और अपने सुशासन बाबू की छवि को बरकरार रख सकें? क्या नीतीश बाबू के समर्थकों को यह अंदेशा हो चुका है कि चुनाव के वक्त भले ही भाजपा उनको आगे कर चुनाव लड़ने की घोषणा करे, पर अंततः यह स्थिति लम्बे समय तक कायम रहने वाली नहीं? भाजपा की आज मजबूरी है कि गैर यादव पिछड़ी जातियों को लामबंद करने के लिए पूरे चुनाव के दौरान नीतीश कुमार के नाम को खूब जोरशोर और गाने बाजे के साथ उछालने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। महागठबंधन के बारे में एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या तेजस्वी यादव अपने स्वजातीय बंधुओं के अति सत्ता और उन्माद को नियंत्रण कर पाएंगे जो पिछले विधानसभा चुनावों में उनके हार का कारण बना था? आमतौर पर कई बार अंतिम समय में इस स्वजातीय उन्माद को ही अन्य पिछड़ी जातियां जंगलराज का पर्याय मानने को विवश हो जाती हैं।

कुछ और मुद्दे जो इस चुनाव में निर्णायक हो सकते हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी के वोट काटने की क्षमता से तय होंगे। किस गठबंधन को प्रशांत किशोर कितना नुकसान करेंगे? इससे प्रशांत किशोर की बिहार में भविष्य की राजनीति तो तय होनी है। फिलहाल तो दोनों गठबंधन उनकी कार्यशैली मुद्दा आधारित बेबाक और निर्भीक राजनीति पूरी तरह से भयभीत नहीं तो कुछ सहमे-सहमे दिख ही रहे हैं। प्रशांत किशोर भाजपा की बी टीम होने के आरोप को ध्वस्त कर ही चुके हैं। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व को यह सोचने के मजबूर कर दिया कि स्व कैलाशपति मिश्र और स्व सुशील मोदी के दिवंगत होने के बाद अगर बिहार की मौजूदा नेतृत्व के भरोसे पर ही टिकी रही, तो संभावना फिलहाल यह दिखायी दे रहा कि प्रशांत किशोर बिहार में ऐसे ही मुद्दे आधारित राजनीतिक अभियान चलाते रहे, तो बिहार जो देश में बड़े राजनीतिक बदलाव के लिए हमेशा से मशहूर रहा है, इसकी प्रबल संभावना है कि इसकी शुरुआत इस विधानसभा चुनावों से होने जा रही है।

अभी तक अपनी टीम नहीं बना पाए प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल

सुरेश तिवारी

हेमंत खंडेलवाल को मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बने साढ़े तीन महीने हो चुके हैं, लेकिन वे अपनी नई टीम का गठन अब तक नहीं कर पाए है। हालांकि, वे कई बार कह चुके हैं कि बस कुछ ही दिनों में भाजपा कार्यकारिणी देखने को मिलेगी। वे यह भी कह चुके है कि उनकी टीम में सांसदों, विधायकों के साथ नेताओं के परिजनों को कोई जगह नहीं दी जाएगी। ऐसा लगता है कि वे वरिष्ठ नेताओं के बीच अभी तक ऐसा समन्वय नहीं बना पाए, जिससे कि कार्यकारिणी को अंतिम रूप दिया जा सके। अब यह बताया गया है कि उनकी नई टीम में पूर्व संभावीय संगठन मंत्रियों की व्यवस्था को वापस लाया जाएगा। कहा जा रहा है कि अगर कुछ नई बाधा ना आई तो इस माह में कभी भी खंडेलवाल अपनी नई टीम की घोषणा कर सकते हैं। मध्य प्रदेश में दिवाली के बाद आईएएस अधिकारियों के तबादले की एक और सूची आ सकती है। इसी के साथ मंत्रालय स्तर पर भी कुछ अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल के साथ ही कुछ विभाग प्रमुख को इधर-उधर किया जा सकता है। पता चला है कि धार, रीवा, मैहर सहित करीब आधा दर्जन जिलों के कलेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार इस संबंध में मुख्यमंत्री की मुख्य सचिव से प्राथमिक चर्चा भी हो चुकी है। बता दें, कुछ दिन पहले ही राज्य सरकार ने आईएएस अधिकारियों के तबादले की एक बड़ी सूची जारी की थी, जिसमें 13 जिलों के कलेक्टर प्रभावित हुए थे। उस सूची में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में पदस्थ तीन-चार कलेक्टरों को छोड़कर सभी को अन्यत्र पदस्थ किया जा चुका है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2010 बैच के अधिकारी और मध्य प्रदेश जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना ने नई पहल की है। उन्होंने गुरुवार को भोपाल में पूर्व संचालक, अपर संचालक और संयुक्त संचालक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को लंच पर आमंत्रित किया। उनसे विभाग की बेहतर कार्य प्रणाली के संदर्भ में सुझाव भी लिए।

इससे पहले वे प्रदेश के पत्रकारों से भी चर्चा कर चुके हैं और कई वरिष्ठ पत्रकारों से तो वे व्यक्तिगत रूप से भी मिले हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी जनसंपर्क आयुक्त ने विभाग के ही उन अधिकारियों को बुलाया, जिन्होंने विभाग में अपने समय में बेहतर काम कर परिणाम दिए हैं। सक्सेना इन अधिकारियों के अनुभव और विशेषज्ञता से कुछ ऐसी बातें समझना चाह रहे हैं, जो विभाग की बेहतरी के लिए सरकार के काम आए। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने एक कार्यक्रम में रिटायरमेंट की उम्र को लेकर सरकार को अहम सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब शासन को इस बात के लिए विचार करना चाहिए कि रिटायरमेंट की उम्र क्या हो? उनका कहना था कि रिटायरमेंट की कोई उम्र ही नहीं होना चाहिए बल्कि जब तक आदमी सरकार के लिए परिणाम देता रहे उसे रिटायर ही नहीं करना चाहिए। इसके बजाय तो उन लोगों को रिटायर करना चाहिए जो भले ही 35-40 साल के ही हों, लेकिन काम में मक्कारी कर रहे हैं और सरकार के लिए बोझ बने हुए हैं।

साइबर ठगी पर नहीं लग पा रही लगाम, जागरुकता के अभाव में लोग बन रहे शिकार

डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय गृहमंत्रालय और सीबीआई से जो जवाब मांगा, उसके नतीजे में इस तरह के मामले थमने के आसार कम ही हैं। इसलिए कम है, क्योंकि एक तो लोगों में जागरूकता की कमी है और दूसरे एजेंसियां डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर ठगी करने वाले अपराधियों तक आसानी से पहुंच नहीं पा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में एक बुजुर्ग दंपती से एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी के मामले का स्वतः संज्ञान संभवतः इसलिए लिया, क्योंकि इसमें अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेश का सहारा लिया गया। ऐसा एक अर्से से हो रहा है। साइबर अपराधी कभी पुलिस बनकर लोगों को डिजिटली अरेस्ट करने की धमकी देते हैं, कभी सीबीआई, ईडी, कस्टम अथवा नारकोटिक्स ब्यूरो का अधिकारी बनकर। पिछले कुछ समय से वे फर्जी अदालती आदेशों की भी आड़ लेने लगे हैं। इसका अर्थ केवल यही नहीं कि साइबर अपराधी बेलगाम हैं, बल्कि यह भी है कि लोगों को इसका अनुमान ही नहीं कि कोई एजेंसी किसी को डिजिटली अरेस्ट नहीं करती। यह विडंबना ही है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था न होने के बाद भी साइबर अपराधी लोगों को धमकाकर उगाही करने में सफल हैं। जागरूकता के अभाव ने साइबर अपराधियों का काम और आसान कर दिया है। एक से एक पढ़े-लिखे और यहां तक कि बैंकों और अपराध रोधी एजेंसियों में काम करने वाले भी साइबर अपराधियों के झांसे में आकर लाखों-करोड़ों गंवा रहे हैं। हाल में ही मुंबई में साइबर अपराधियों ने एक उद्यमी से 58 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। कई मामले ऐसे आए हैं, जिनमें लोग हफ्तों तक कथित रूप से डिजिटल अरेस्ट रहे और बैंक से पैसे निकालकर ठगों को देते रहे। समझना कठिन है कि ऐसे लोग पुलिस में शिकायत करना आवश्यक क्यों नहीं समझते? क्या उन्हें उस पर भरोसा नहीं? जो भी हो, कुछ मामले ऐसे भी आए हैं, जिनमें बैंक कर्मियों की भी मिलीभगत देखने को मिली। यह बहुत ही चिंताजनक स्थिति है। निःसंदेह चिंताजनक यह भी है कि डिजिटल अरेस्ट का दावा कर ठगी करने वाले आसानी से पकड़ में नहीं आते। ज्यादातर मामलों में डूबी रकम वापस ही नहीं मिल पाती। इससे यही पता चलता है कि साइबर ठग अपराध रोकने वाले तंत्र से चार कदम आगे हैं। होना तो यह चाहिए अपराध रोधी तंत्र इतना सक्षम हो कि साइबर अपराधियों में भय व्याप्त हो। इसमें संदेह है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश-निर्देश यह काम कर पाएंगे? आवश्यकता केवल साइबर अपराध रोधी तंत्र को और सक्षम बनाने की ही नहीं, लोगों को जागरूक करने के अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की भी है। बैंकों के साथ विभिन्न एजेंसियां यह समझें कि अभी यह अभियान सही तरह नहीं चल रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कन्हा ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पंचशीला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। ([illegible])

शामली में मुठभेड़ में एक लाख का इनामी नफीस ढेर, दर्ज थे 34 केस

शामली । एसपी एनपी सिंह ने बताया कि कांधला पुलिस भभीसा चौकी पर चेकिंग कर रही थी। उसी समय बाइक पर दो संदिग्ध लोगों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वे पुलिस टीम पर फायर करते हुए भाग निकले।

इसके बाद पुलिस ने पीछा किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका साथी मौके से भाग गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। एसपी ने बताया मारा गया बदमाश नफीस कांधला के मोहल्ला खेल का निवासी था और थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उस पर 34 मुकदमे दर्ज थे। उसके कब्जे से बाइक, पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस अधीक्षक, शामली एनपी सिंह ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान बदमशों की तरफ से फायरिंग में कांधला थाना प्रभारी सतीश कुमार बल-बल बचे हैं। उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी है। थाना कांधला पुलिस की प्रभावी कार्रवाई में 1,00,000 रुपये के इनामी व हिस्ट्रीशीटर अपराधी नफीस पुत्र मूदा निवासी मोहल्ला खैल, कस्बा व थाना कांधला, जनपद शामली पुलिस मुठभेड़ के दौरान आत्मरक्षा के लिए की गई फायरिंग में घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दौरान उपचार उसकी मृत्यु हो गई। अभियुक्त नफीस के विरुद्ध कुल 34 आपराधिक मुकदमे पंजीकृत थे, जिनमें हत्या, लूट व जानलेवा हमले जैसे गंभीर अपराधों के तीन मुकदमों में वह वांछित था। मौके से एक पिस्टल .32 बोर, एक खोखा, पांच जिंदा कारतूस, एक तमंचा .315 बोर, दो खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

रक्षा मंत्री राजनाथ और सीएम योगी आज रवाना करेंगे ब्रह्मोस की पहली खेप

लखनऊ । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप शनिवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह दिन न सिर्फ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भारत के रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा भी देगा। विश्व की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल की पहली खेप तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक इकाई 11 मई को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी। कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया भी देखेंगे। इसी क्रम में ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रस्तुतीकरण भी होगा। इसके अलावा पौधरोपण और अन्य कार्यक्रम भी होंगे। कार्यक्रम के दौरान, महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर जोशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपेंगे, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश में उच्च कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। लखनऊ ब्रह्मोस इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे का पहला ऐसा प्रतिष्ठान है, जहां मिसाइल प्रणाली के निर्माण से लेकर अंतिम परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया देश में ही की जाती है। यह परियोजना न सिर्फ रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रदेश में रोजगार, निवेश और तकनीकी नवाचार के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

ऑटो बाजार में बंपर बिक्री... 1000 से ज्यादा कारों की डिलीवरी, 50 करोड़ का कारोबार

लखनऊ लखनऊ के ऑटो बाजार में बंपर बिक्री के साथ रिकॉर्ड तोड़ कारोबार देखने को मिला। शुक्रवार को ही 1000 से ज्यादा कारों की डिलीवरी के साथ ऑटो बाजार की धनतेरस मन गई।

इसके अलावा 5000 बाइकों की डिलीवरी हुई। इस हिसाब से शुक्रवार को ऑटो सेक्टर में 150 करोड़ का कारोबार किया। कारोबारियों का कहना है कि इस धनतेरस तक 10 हजार बाइकें और 5000 कारों की बिक्री तय है, लेकिन स्टॉक की कमी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। दोपहिया वाहनों के कई मॉडल आउट ऑफ स्टॉक है, जबकि कारों में लगभग सभी मॉडलों की लंबी वेटिंग चल रही है। नई जीएसटी व्यवस्था और फेस्टिव ऑफर्स के चलते कारों पर 1 से 1.5 लाख रुपये और बाइकों पर 10-18 हजार रुपये तक की कीमत का असर देखा गया है। अभी भी करीब 3000 कारों पर लंबी वेटिंग है। इनकी डिलीवरी नवंबर तक होगी। दुकानदारों का कहना है कि अच्छे ऑफर्स की वजह से इस बार बंपर कारोबार हो रहा है। हमारे यहां 65 कारों की डिलीवरी हुई है। शनिवार और रविवार के साथ साथ दिवाली के बाद तक डिलीवरी चलेंगी। लखनऊ में 100 से ज्यादा कारों के डीलर्स हैं जिनमें से कुछ ने ही अपने यहां की डिलीवरी के बारे में जानकारी दी है।

सबसे ज्यादा मारूति सुजुकी के डीलर मेगा मोटर्स ने 200 कारों की डिलीवरी की है। बीआर ह्युंडई ने 75, जेएसवी ह्युंडई ने 65, नारायण ऑटो ने 81 कारों की डिलीवरी की है। इस हिसाब से कुल 421 डिलीवरी हुई हैं। जबकि, शहर के अन्य डीलरों ने भी शुक्रवार को 500 से ज्यादा कारों की डिलीवरी की। धनतेरस और दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों में खरीदारों का हुजूम लगा हुआ है। चारों तरफ तरह-तरह के सामानों की बिक्री हो रही है। इस बीच बर्तन विक्रेता अधिक से अधिक सामान बेचने के लिए ग्राहकों को पचास फीसदी तक की छूट का ऑफर दे रहे हैं। अलीगंज के बर्तन विक्रेता आलोक यादव की दुकान पर भीड़ लगी थी। छोटे से लेकर बड़े बर्तन खरीदने के लिए ग्राहक मोलभाव करते दिखे। दुकानदार ग्राहकों को लुभावने ऑफर देकर अधिक से अधिक सामान की बिक्री करने में मशगूल रहे। निशातगंज के मोहन प्रसाद ने बताया कि इस धनतेरस पर मात्र 100 रुपये में पांच बर्तन दे रहे हैं। अमीनाबाद में भी बर्तन से लेकर हर तरह के सामान खरीदने के लिए ग्राहकों का हुजुम लगा रहा। रागिनी सिंह ने बताया कि शरीर में आयरन की कमी पूरी करने के लिए जरूरी है कि लोहे के बर्तन में खाना पकाया जाए।

बात करें स्वादिष्ट पकवान की तो लोहे की कढ़ाई इसके लिए बेहतर है। बर्तन विक्रेताओं ने बताया कि हर किसी की इच्छा होती है कि धनतेरस पर कोई न कोई बर्तन घर लेकर जाए। इसी उद्देश्य से छोटी कटोरी, गिलास, कप और थाली की मांग में उछाल आया है। हमारे यहां फूल के बर्तन भी है। इनका उपयोग कम जरूर है, लेकिन मांगलिक कार्य में उपयोग होने की वजह से ग्राहक इन्हें खरीदना पसंद करते हैं। बाजारों में तरह-तरह के बर्तन की खरीदारी हो रही है। ग्राहकों के बजट के आधार पर बेहतर बर्तन भी दुकानों में है। दुकानदारों ने बताया कि एक से तीन किलो वजन की पारंपरिक गोल लोहे की कढ़ाई 1000 रुपये में है। वहीं, 18 इंच आयरन की कढ़ाई, इंडक्शन आयरन कढ़ाई की भी खूब मांग है।

14 साल की किशोरी से दुष्कर्म और विरोध करने पर गला घोंटकर हत्या

मेरठ फलावदा क्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर किशोरी से दुराचार करने और विरोध करने पर हत्या करने वाले को अदालत ने आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। वह गाजियाबाद जनपद के मसूरी थाना क्षेत्र के गांव बडका आरिफपुर का रहने वाला है। घटना के बाद तीन साल में न्यायालय का निर्णय आ गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार फलावदा थाने पर एक जून 2022 को एक गांव के निवासी व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित पिता ने बताया था कि आरोपी रोहित की उनके गांव में ननिहाल है। वह अकसर अपने मामा के घर आता जाता था। एक जून को उनकी नाबालिग बेटी (14) घर के बाहरी हिस्से में अकेली थी, तभी आरोपी रोहित ने घर में घुस कर उसकी बेटी के साथ दुराचार किया और विरोध करने पर उसने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग और परिजन भी आ गए। लोगों ने आरोपी रोहित को मौके से ही पकड़कर फलावदा पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने दुराचार, हत्या और पॉक्सो में रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी को जेल भेज दिया था। पुलिस ने 17 जून 2022 को रोहित के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई न्यायालय स्पेशल जज पॉक्सो में हुई। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) नरेंद्र चौहान और कुलदीप मोहन ने पर्याप्त साक्ष्य कोर्ट में पेश किए। दोनों पक्षों को सुनते हुए अदालत ने शुक्रवार को रोहित को दोषी पाते हुए हत्या में आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। रोहित बीते तीन साल से जेल में ही बंद है। उसे हाई कोर्ट से भी जमानत नहीं मिली थी। शुक्रवार को सजा सुनाने के बाद अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बरेली में भीषण हादसा: बस और वैन की टक्कर से तीन लोगों की मौत, 10 घायल

बरेली । बरेली के भुता थाना क्षेत्र में बीसलपुर मार्ग पर शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हुआ। बरेली से सवारियों को लेकर जा रही इको वैन मिर्ची ढाबे के समीप बस से टकरा गई। हादसे में वैन सवार तीन लोगों की मौत हो गई। 10 लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। भुता थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब डेढ़ बजे बीसलपुर मार्ग पर मिर्ची ढाबे के पास इको वैन और बस की भिड़ंत हो गई। कार बरेली से बीसलपुर की ओर जा रही थी, जबकि बस बरेली की ओर आ रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर थाना पुलिस और बरेली से फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। पुलिस के मुताबिक वैन में चालक समेत 13 लोग सवार थे। जिसमें चालक और एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। ये दोनों वैन में सीट पर ही फंस गए थे। अग्निशमन यूनिट के काफी प्रयास के बाद इन्हें निकाला जा सका। इसके लिए कटर और कई उपकरण से वैन को काटना पड़ा। वहीं घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां एक घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दो घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने मृतक और घायलों के परिजनों को सूचना दे दी। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे लिया है। बस का चालक मौके से भाग गया है। बस की कोई सवारी मौके पर मौजूद नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ओवरटेक करने के प्रयास में हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए।

आगे बैठी सवारियां उसी में फंस गई थी। राकेश पुत्र विजय बहादुर उम्र 30 वर्ष (कार चालक) निवासी ग्राम खगड़िया थाना दियोरिया, पीलीभीत। गौरव पुत्र सियाराम उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम लाम्हुआ थाना दियोरिया, पीलीभीत। जितेंद्र पुत्र मनुराम उम्र 32 वर्ष निवारी परेवातुर्री थाना बिलसंडा, पीलीभीत। शिव शंकर पुत्र धर्मपाल, हरीशचंद्र पुत्र रामपाल, छेटेलाल पुत्र बाबूराम, महेंद्र पुत्र रामबहादुर निवासी परेवातुर्रा थाना बिलसंडा, कांता प्रसाद पुत्र दुर्गा प्रसाद, अजय पुत्र रामनाथ, अमित पुत्र खेमकरन, भजनलाल उर्फ बड़े पुत्र तोले, बीरपल उर्फ नन्नू पुत्र तोले, गोधन पुत्र सियाराम निवासी ग्राम लाम्हुआ थाना दियोरिया जनपद पीलीभीत घायल हुए हैं।

निसंतान दंपती ने जिस बेटे को लिया गोद, उसने बुढ़ापे में आकर ये क्या किया

आगरा भगवान ऐसे दिन किसी को न दिखाए। जिस बेटे को आंखों का तारा बनाकर रखा, बुढ़ापे में उसी ने बेघर कर दिया। अब न तो बेटा हमारा रहा और न ही घर। जिक्र आते ही दिल का गुबार आंखों से आंसू बनकर बरसने लगा। रामलाल वृद्धाश्रम में रहने वाले ज्यादातर बुजुर्ग अभिभावक ऐसे हैं जिन्हें बेटों ने ही इस हाल पर ला छोड़ा है। सिकंदरा स्थित रामलाल वृद्धाश्रम में वर्तमान में 350 से अधिक बुजुर्ग रह रहे हैं, इनमें 16 दंपती हैं। यहां रह रहे सिकंदरा के 70 वर्षीय राजेश अग्रवाल और उनकी 60 वर्षीय पत्नी गीता रानी ने बताया कि उनके कोई संतान नहीं थी। खुद का कारोबार था। बुढ़ापे की लाठी बन सके इसलिए एक बेटा गोद लिया। उसको पढ़ाया लिखाया, काबिल बनाया। पौत्र को प्रतिष्ठित स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए डेढ़ लाख रुपये दिए। दो साल पहले अच्छा मकान खरीदने के बहाने बेटे ने उनका घर 46 लाख रुपये में बिकवा दिया। इसके बाद सारे रुपये लेकर ससुराल चला गया। वहां अपना कारोबार कर रहा है। पांच महीने पहले उन्हें सड़क पर छोड़ गया। तब से वो आश्रम में ही रह रहे हैं। राजेश की तरह ही बेलनगंज के सीमेंट व्यापारी श्यामलाल खंडेलवाल भी अपनी पत्नी शकुंतला के साथ आश्रम में रहते हैं। बताते हैं कि उम्र ढली तो वह कामकाज देखने में असमर्थ हो गए। बेटा दो-दो दिन तक भूखा-प्यासा रखता था। रोने पर आंसू पोछने के बजाय घर से धक्का देकर बाहर कर दिया। घर का भी कुछ पता नहीं क्या किया। ठोकर खाते हुए किसी तरह आश्रम पहुंचे। 9 महीने से आश्रम में ही रह रहे हैं। बेटी हालचाल लेने आ जाती है पर बेटे को कभी उनकी याद नहीं आई। इन दोनों दंपती की तरह मदिया कटरा के छेटेलाल, कमला नगर के रमेशचंद गर्ग, हाथरस के महेंद्र शर्मा, मंडी समिति के ओमकार और अन्य बुजुर्गों की आंखों में परिवार के बारे में पूछने पर आंसू आ गए। कहने लगे कि जब बच्चे छोटे थे तो दिवाली आते ही खुश हो जाते थे। पटाखे खरीदने के लिए रुपयों की मांग करते थे। जेब में रुपये नहीं होने पर भी उनकी मांग पूरी करते थे। बुढ़ापे में हमें धक्का देकर बाहर निकाल दिया। यहां रहने वाले बुजुर्गों का कहना है कि घर की याद तो आती है पर इधर-उधर भटकने से अच्छा है हम यहीं सबके साथ दिवाली मनाए। अब तो आश्रम ही हमारा घर और यहां रहने वाले ही हमारा परिवार है।

दिल्ली में पार्किंग के बदले अब नहीं ले सकेंगे मनमाना शुल्क, क्यू आर कोड से होगी एंट्री और एमसीडी एप से भुगतान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अब पार्किंग के लिए निर्धारित से ज्यादा शुल्क नहीं वसूला जा सकेगा। एमसीडी ने इसका समाधान निकाल लिया है। अब पार्किंग में प्रवेश या निकासी पर आपको कोई नहीं रोकेगा। एमसीडी एप स्कैन करके पार्किंग में प्रवेश किया जा सकेगा। साथ ही मोबाइल एप से भुगतान होगा। इससे ज्यादा शुल्क लेने की शिकायतों का निवारण होने की उम्मीद एमसीडी कर रही है। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एमसीडी ने रामलीला मैदान से इसकी शुरुआत की है। एमसीडी के लाभकारी परियोजना सेल समिति के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता और उपायुक्त राजीव कुमार ने इसकी शुरुआत की है एमसीडी के अनुसार 15 दिन तक इसका पायलट प्रोजेक्ट चलेगा। इसके बाद जो-जो सुझाव या अड़चनें इस पर आएंगी, उनमें सुधार करने के बाद चरणबद्ध तरीके से एमसीडी की सभी पार्किंग में यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लगातार पार्किंग में ठेकेदारों द्वारा तय शुल्क से ज्यादा पार्किंग शुल्क लेने की शिकायतें आती हैं। यहां

ज्यादा शुल्क वसूला जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए हमने क्यूआर कोड युक्त पार्किंग शुल्क भुगतान प्रणाली को शुरू कर रहे हैं। इसमें नागरिक जब पार्किंग में जाएंगे तो बिना किसी कर्मचारी से मिले वहां प्रवेश कर सकते हैं।

इस दौरान नागरिक को अपनी गाड़ी का नंबर डालना होगा। निकलते समय भी इसी क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। इसमें निकलते समय दो तरीके से भुगतान का विकल्प होगा।

इसमें ऑनलाइन या ऑफलाइन भुगतान का विकल्प होगा। अगर, नागरिक ऑनलाइन भुगतान करना चाहते हैं तो किसी भी यूपीआई से भुगतान करके निकल सकेंगे। उल्लेखनीय है कि एमसीडी की चार सौ से अधिक सरफेस पार्किंग हैं। जिनमें यह व्यवस्था धीरे-धीरे लागू की जाएगी। एमसीडी की पट्टी नाम से इस एप को नागरिक प्लेस स्टोर से डाउनलोड कर सकेंगे।

पार्किंग के प्रवेश और निकास द्वार पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल कैमरे या एमसीडी की पट्टी एप से स्कैन करना होगा।

स्कैन करते ही पार्किंग के लिए गाड़ी का नंबर डालने का विकल्प होगा।

ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन, कहा- ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर - राजनाथ सिंह

लखनऊ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सैन्य ताकत उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां जीत एक आदत बन गई है। लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई मामूली बात नहीं है।

जीत हमारी आदत बन गई है। राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली के निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित अपने नए एकीकरण और परीक्षण केंद्र से इस मिसाइल प्रणाली की पहली खेप का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है।

उन्होंने सशस्त्र बलों की सटीकता और तैयारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के दुश्मन अब देश की उन्नत मिसाइल क्षमताओं से बच नहीं सकते। रक्षा मंत्री ने कहा, देश को विश्वास है कि हमारे दुश्मन अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे।

पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन अब हमारे ब्रह्मोस की पहुंच में है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ वह तो बस एक ट्रेलर था। लेकिन उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो मुझे इस बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है कि वह और क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर एक मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी ताकत दे रही है। मिसाइल के उत्पादन से मिलने वाले टैक्स से, सरकार कई स्कूल बना सकती है, कई हॉस्पिटल खड़े कर सकती है, और ऐसी योजनाएं चला सकती है, जो सीधे आम आदमी की जिंदगी को बेहतर करें। यानी ब्रह्मोस सिर्फ हथियार नहीं है, यह हमारे बच्चों के लिए

ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप रवाना, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने दिखाई हरी झंडी

शिक्षा, हमारे परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पूरे समाज के लिए अवसरका रास्ता भी खोलता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा यकीन है, कि आने वाले समय में यह synergy और मजबूत होगी, और ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं, न सिर्फ हमें दुश्मन पर बढ़त दिलाएंगी, बल्कि हर भारतीय नागरिक के जीवन में नई रोशनी भी लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियां हमें यह विश्वास दिलाती है, कि मेड इन इंडिया अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि एक वैश्विक ब्रांड बन चुका है। और यह ब्रांड अब पूरी दुनिया में सम्मान पा रहा है।

चुनाव आयोग का बड़ा ऐलान, वोटिंग के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगा पेड लीव

नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और उपचुनावों में सभी मतदाताओं को वोट डालने का अवसर सुनिश्चित करने के लिए मतदान के दिन सवेतन अवकाश (पेड लीव) की घोषणा की है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वोट डालना न केवल हर नागरिक का अधिकार है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी है।

बिहार चुनाव और उपचुनाव की तारीखें घोषित

भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, बिहार विधानसभा के आम चुनाव दो चरणों में होंगे। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, 2025 (गुरुवार) और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर, 2025 (मंगलवार) को होगा। इसके साथ ही, 8 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव भी 11 नवंबर, 2025 को ही आयोजित किए जाएंगे। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 बी के तहत, कोई भी व्यक्ति जो किसी व्यवसाय,

व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या अन्य प्रतिष्ठान में कार्यरत है, वह लोकसभा या राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा चुनाव में मतदान करने का हकदार है। ऐसे कर्मचारियों को मतदान के दिन पेड लीव प्रदान किया जाएगा, और इस अवकाश के दौरान उनके वेतन में कोई कटौती नहीं की जाएगी। आयोग ने चेतावनी दी है कि इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाली कंपनियों या प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह सुविधा सभी नौकरीपेशा लोगों के लिए लागू होगी, चाहे वे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हों।

दूरस्थ मतदाताओं को भी मिलेगा अवकाश

निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्र से दूर किसी अन्य स्थान पर काम करता है, लेकिन वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत है, तो उसे भी मतदान के दिन पेड लीव मिलेगा। यह प्रावधान मतदाताओं को अपने क्षेत्र में जाकर वोट डालने की सुविधा प्रदान करेगा।

राज्य सरकारों को कड़ाई से पालन के निर्देश

आयोग ने सभी राज्य और संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वे इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी मतदाता स्वतंत्र और सुविधाजनक तरीके से अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने इस अधिकार का उपयोग करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। यह कदम न केवल मतदान को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और सशक्त बनाएगा।

महाराष्ट्र में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गहरी खाई में गिरी, 8 लोगों की मौत और कई घायल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले से सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। जहां चांदशैली घाट पर एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, पिकअप सवार सभी लोग अस्तंबा देवी यात्रा से लौट रहे थे। इसी दौरान घाट मोड़ पर ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके चलते गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। यह हादसा इतना भयावह था कि पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पिकअप में सवार श्रद्धालु वाहन से बाहर जा गिरे। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह घटना नंदुरबार जिले के शहादा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में नंदुरबार जिले चांदशैली घाट के पास हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। बता दें कि श्रद्धालु अस्तंबा देवी का दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि कई श्रद्धालु पिकअप के नीचे दब गए और कुछ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि वाहन तेज गति में था और घाट के मोड़ पर ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया।

त्योहारों पर सीएम योगी का सख्त फरमान: भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ाएं गश्त, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों और समारोहों के संबंध में सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी मैदान में सक्रिय रहें, उनके कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ड्रोन और सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए दमकल गाड़ियों को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस, प्रशासन और नगर

निगम के बीच निरंतर समन्वय पर भी जोर दिया। उन्होंने सुचारू यातायात, निर्बाध बिजली आपूर्ति और उचित स्वच्छता बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों और माफिया तत्वों के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहना चाहिए और कहीं भी बिजली के तार लटकते नहीं मिलने चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने आगे यह भी सुनिश्चित किया कि त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जाए, जो सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को धनतेरस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यह त्योहार भारत की सनातन हिंदू परंपरा में धर्म और अर्थ दोनों का प्रतिनिधित्व करता है, सीएम योगी ने कहा कि यह भगवान धन्वंतरि की जयंती का भी प्रतीक है और उन्होंने उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास की आशा व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में, यूपी सीएमओ ने लिखा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धनतेरस पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी है और उनकी सुख-समृद्धि की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के सनातन हिंदू धर्म के पुरुषार्थ चतुष्टय में धनतेरस न केवल धर्म बल्कि अर्थ का भी प्रतीक है। धनतेरस स्वास्थ्य के देवता भगवान धन्वंतरि की जयंती भी है।

मोदी की 23 अक्टूबर को 3 जिलों में सभा, 4 दिन में 12 रैलियां

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। मतदान 6 नवंबर को होगा। चुनाव में सिर्फ 20 दिन का समय बचा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फर्स्ट फेज की वोटिंग से पहले बिहार में 12 सभाएं करेंगे। वे 23 अक्टूबर को सासाराम, गया और भागलपुर जाएंगे। 28 अक्टूबर को दरभंगा, मुजफ्फरपुर और पटना में रैली करेंगे। प्रधानमंत्री का तीसरा दौरा 1 नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर में होगा। 3 नवंबर को पश्चिम चंपारण, सहरसा और अररिया के फारबिसगंज में रैली करेंगे। दूसरी ओर, महागठबंधन में सीटों की खींचतान खत्म नहीं हुई है। राजद ने उम्मीदवारों की एक भी लिस्ट जारी नहीं की है। कांग्रेस ने 48 और सीपीआईएमएल ने 18 कैंडिडेट के नामों का ऐलान किया है। 10

सीटों पर महागठबंधन की पार्टियों ने एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए हैं। कांग्रेस और आरजेडी ने 5 सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ कैंडिडेट उतारे हैं। कुटुंबा से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के खिलाफ सुरेश पासवान को आरजेडी ने टिकट दिया है। जबकि, राजेश राम दो बार से कुटुंबा के विधायक हैं। सीपीआई और कांग्रेस ने तीन सीटों पर, वीआईपी और आरजेडी में एक सीट पर मुकाबला होगा।

अमृतसर-सहरसा गरीब रथ ट्रेन में आग: सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हादसा, महिला झुलसी, तीन एसी कोच चपेट में आए

फतेहगढ़ साहिब (पंजाब)।

अमृतसर-सहरसा गरीब रथ (12204, बिहार जाने वाली) ट्रेन में अचानक आग लग गई। ट्रेन के 2-3 एसी डिब्बों में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से एक महिला यात्री झुलस गई। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। चलती ट्रेन में आग की घटना फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हुई है। फतेहगढ़ साहिब के ब्राह्मणमाजरा के पास अचानक ट्रेन में आग लग गई। इस घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही नगर कौंसिल सरहिंद के दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी हुई बताई जा रही है। ट्रेन का एसी डिब्बा (G19, 223125/C) बुरी तरह प्रभावित हुआ, जबकि 2 अन्य डिब्बों को भी नुकसान पहुंचा। उन्हें ट्रेन के बाकी हिस्सों से अलग कर दिया गया। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, ट्रेन से सामान निकालते समय एक महिला झुलस गई है। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब भेजा गया है। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, क्योंकि प्रभावित डिब्बे इलेक्ट्रिक पैनल वाले डिब्बे के बगल में थे। स्थिति नियंत्रण में है। घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।

कांग्रेस का नीतीश पर तीखा हमला: रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री को जनता देगी जवाब

नई दिल्ली ।कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को जोर देकर कहा कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अलविदा कह देगी। उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख पर रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री होने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, रमेश ने विश्वास जताया कि 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में महागठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करेगा। कांग्रेस में संचार विभाग के प्रभारी महासचिव रमेश ने कहा कि बिहार की जनता सभी जुमलों और झूठे वादों को समझ गई है। बिहार नीतीश कुमार और भाजपा को अलविदा कह देगा। आप देखेंगे कि महागठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करने जा रहा है। जमीनी स्तर पर लोग तंग आ चुके हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री कुछ भी प्रचार कर रहे हों,

लेकिन वे ज़मीनी हक़ीकत को नहीं मिटा सकते। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता जानती है कि नीतीश कुमार को वोट देना भाजपा को वोट देने से बेहतर है। नीतीश कुमार रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री हैं। इस बीच, रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत द्वारा रूस से तेल खरीद बंद करने पर सहमति जताए जाने के दावे को दोहराने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। राज्यसभा सांसद ने कहा, पिछले चार-पांच महीनों में राष्ट्रपति ट्रंप 52 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने उनके फील्ड मार्शल से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। अब ट्रंप ने दो बार कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। दुनिया की हर बात पर बोलने वाले प्रधानमंत्री इन मामलों पर चुप क्यों हैं? इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव, जो एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार और पूर्व उप-मुख्यमंत्री हैं, को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन में जो गलतियां महाराष्ट्र में हुई थीं, वे बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। चतुर्वेदी ने एएनआई से कहा, महाराष्ट्र चुनाव में हुई गलतियां, जिनमें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित न करना और सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन को लेकर तीनों गठबंधन सहयोगियों के बीच विवाद शामिल है, बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। तेजस्वी यादव एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार हैं।

अमित शाह से मिले चिराग पासवान, तेजस्वी यादव पर कसा तंज, महागठबंधन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटा है, ऐसे में चिराग पासवान की अगुवाई वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने शनिवार को तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की खबरों को लेकर महागठबंधन पर हमला बोला और कहा कि गठबंधन ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है। चिराग पासवान ने 243 सीटों वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों को सुरक्षित करने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को होने हैं और मतगणना 14 नवंबर को होगी। पत्रकारों से बात करते हुए, पासवान ने कहा कि आंतरिक कलह से ग्रस्त गठबंधन विकास नहीं कर सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य चुनाव से पहले लोग ऐसे नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कौन कहता है कि तेजस्वी यादव का नाम (मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप

में) पक्का है, जबकि गठबंधन भी यह नहीं कह रहा कि तेजस्वी पक्के हैं। जनता उन्हें स्वीकार नहीं करेगी। जिस गठबंधन में इतने आंतरिक झगड़े हों, वह बिहार का विकास नहीं कर सकता। इससे पहले आज, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव, जो एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार और पूर्व उप-मुख्यमंत्री हैं, को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन में जो गलतियां महाराष्ट्र में हुई थीं, वे बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। शुक्रवार को, चतुर्वेदी ने एएनआई से कहा, महाराष्ट्र चुनावों में हुई गलतियां, जिनमें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा न करना और सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन को लेकर तीनों गठबंधन सहयोगियों के बीच विवाद शामिल है, बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। तेजस्वी यादव एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार हैं। उन्होंने आगे कहा, नीतीश कुमार और मुख्यमंत्री पद के अन्य तथाकथित दावेदारों के साथ उनकी कड़ी टक्कर है। उपमुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अद्भुत काम किया है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम भारतीय गठबंधन के हिस्से के रूप में और उसकी भावना के अनुरूप, जिसके साथ हम आए हैं, उस पार्टी का समर्थन करें जो मजबूत हो और उन्हें समर्थन दिया जाएगा, उनकी मदद की जाएगी, और उन्हें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा... इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है।

सपा में शामिल हुए कई नेता : अखिलेश का भाजपा पर तंज; बोले- फुस्स फुलझड़ी से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती

लखनऊ ।

राजधानी लखनऊ में शनिवार को सपा मुख्यालय में कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थामा। सपा में शामिल होने वालों में देवेंद्र कुशवाह, नदीम अशरफ, रणवीर सिंह गौतम अहिरवार और गाजीपुर से श्यामलाल बिंद रहे। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी का पार्टी में स्वागत किया। कहा कि पीडीए के सामाजिक आंदोलन और बाबा साहब के आंदोलन के लिए बहुत से लोग जुड़ रहे हैं। इन सभी साथियों के आने से पीडीए की लड़ाई और मजबूत होगी। इस मौके पर अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि आज धनतेरस है, इसलिए किसी के बारे में ज्यादा भला-बुरा मत कहिए। एक सवाल के जवाब पर सरकार पर तंज कसा कि दिवाली पर फुस्स फुलझड़ी से क्या उम्मीद की जा सकती है? जिसने बिजली बनाई नहीं, वो बिजली देंगे कैसे?

...अब तो बिजली का निजीकरण भी नहीं कर पा रहे – अखिलेश

अखिलेश ने आगे कहा कि हमारे सीएम बिहार में पार्टी की तरफ से स्टार प्रचारक बनकर गए हैं। हम कहते हैं वह स्टार प्रचारक नहीं बल्कि, स्टार विभाजक बनकर गए हैं। बिहार साम्प्रदायिक लोगों को कभी स्वीकार नहीं करेगा। सरकार पहला झूठ यही बोल रही है कि आठ साल हुए हैं। जबकि सरकार 9 वर्ष

होने वाले हैं। अब सिर्फ एक आखिरी बजट आना है, इस सरकार का। पहले बिजली बेचना चाह रहे थे, अब निजीकरण भी नहीं कर पा रहे हैं।

सपा मुखिया ने आगे कहा कि हमारे समय में सरकार का बजट चार लाख करोड़ था। तब हमने स्टेडियम बनवाया, मेट्रो बनवाया, एक्सप्रेसवे बनवाया। अब सरकार का बजट आठ लाख करोड़ रुपये हो गया है, काम का पता नहीं। सरकार विभागों में चोरी नहीं रोक पा रही है। इसीलिए तो विधायकों के घरों में चोरी हो रही है।

सपा सरकार बनी तो कुम्हारों से खरीदेंगे एक करोड़ दीये

उन्होंने कहा कि आजकल लोग भेड़िये की दहशतगर्दी से परेशान हैं। अभी तक छतों पर सांड चढ़ रहा था, अब तो गुलदार भी छतों पर चढ़ रहा है। कुछ ही दिनों में 52 लोगों पर हमले हो चुके हैं। समाजवादी लोग बुल और बुलडोजर दोनों के खिलाफ हैं। दिवाली पर कुम्हार परेशान हैं। सपा सरकार बनी तो दिवाली पर सरकार कुम्हारों से एक करोड़ दीये खरीदा करेगी। अखिलेश ने आगे कहा कि कानपुर के अखिलेश दुबे के घर बुलडोजर नहीं चलेगा। उस पर कार्रवाई हुई तो सरकार के कई अफसर फंस सकते हैं। अब उसकी जान की फिक्र हम सबको करनी है। नए कमिश्नर को यह कहकर भेजा गया है कि अब उसके खिलाफ एक भी केस दर्ज नहीं किया जाएगा।